THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

Programme : Skill Enhancement Course/ Multidisciplinary Courses for B.A (Hons./ Hons with Research) & M.A Other than Hindi Students

COURSE DESCRIPTION

Course title	**हिंदी भाषा : साहित्यिक अनुवाद, मीडिया लेखन एवं कार्यालयीन प्रयोग** **HINDI LANGUAGE: LITERARY TRANSLATION, MEDIA WRITING AND FUNCTIONAL USAGES**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : BASECH 200 (Elective)
Semester	(January to April 2025)
Number of credits	03
Maximum intake	----------
Day/Time	Tuesday, Thursday 3.00 pm to 5.00 pm
Name of the teacher/s	DR. Promila, Dr. Priyadarshini & Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description** i) अनुवाद दो भाषाओं के बीच की दूरी दूर कर साहित्य रसास्वादन का मार्ग सुगम बना देता है जो की एक प्रभावशाली रचनात्मक सांस्कृतिक कर्म है,वहीं मीडिया लेखन विशेषकर वर्तमान समय में लोगों तक पहुंचने का महत्वपूर्ण सामग्री लिखने की विभिन्न प्रक्रिया है तथा हिंदी भाषा को सरकारी कार्यालयों और उसके कामकाज करने की प्रक्रिया और महत्ता को जान पाएंगे। **ii) उद्देश्य : (Program Objectives)** 1. हिंदी के साहित्यिक अनुवादों की वृहद श्रृंखला और उसकी प्रक्रिया से परिचित कराना। 2. साहित्यिक अनुवाद द्वारा अंतर अनुशासनिक पद्धति को प्रोत्साहित करना। 3. मीडिया यानी मीडियम या माध्यम। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। इसके उद्देश्य को जान पाऐंगे। 4. किसी भी देश की उन्नति व प्रगति में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान होता है। 5. कार्यालय हिंदी आज के परिदृश्य में हिंदी साहित्य की विविध विधाओं के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्य व्यवहार हेतु उपादेय है। 6. कार्यलयी हिंदी का मूल लक्ष्य सरल और व्यावहारिक संचार को सुविधाजनक बनाना है। 7. अनुवाद, मीडिया लेखन और कार्यालयीन हिंदी में बेहतर रोजगार के अवसरों से परिचय कराना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)/(PSO of the Programme)** 1. विद्यार्थी अनुवाद के स्वरूप, प्रकार एवं पद्धतियों से परिचित हो सकेंगे। 2. वैश्विक साहित्यिक अनुचित रचनाओं द्वारा सांस्कृतिक चेतना एवं ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे। 3. बृहद शब्दकोश एवं साहित्यिक शब्दावलियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 4. समाज में मीडिया की भूमिका संवादवहन की होती है। उसकी स्वतंत्रता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से जान पाऐंगे। 5. मीडिया या प्रेस को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। अपने निजी स्वर्थों से ऊपर उठकर जिम्मेदारी का पाठ पढ़ेगें। 6. कार्यलयी हिंदी की अपनी शब्दावली होती है जिसका प्रयोग कार्यलय के कर्मचारी और प्रशासक नित्य प्रतिदिन अपने सरकारी कामकाज में प्रयोग कर पायेगें। 7. सरकारी कामकाज में प्रयुक्त होनेवाली भाषा को प्रशासनिक या कार्यलयी हिंदी बनाने में मजबूती मिलेगी।

8. अनुवाद, मीडिया लेखन, कार्यालयीन हिंदी के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों से परिचय प्राप्त कर बेहतर भविष्य बनाने के प्रति विचार करेंगें।

iii) Learning outcomes :

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)

1. साहित्यिक अनुवाद की प्रक्रिया और इसके महत्व को समझना।
2. मीडिया लेखन और कार्यालयीन हिंदी के उपयोग को समझना।
3. हिंदी साहित्य के अनुवाद और मीडिया लेखन के माध्यम से संचार कौशल को विकसित करना।

b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

1. साहित्यिक अनुवाद के माध्यम से सांस्कृतिक और साहित्यिक ज्ञान को बढ़ाना।
2. मीडिया लेखन और कार्यालयीन हिंदी के उपयोग के माध्यम से पेशेवर संचार कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के अनुवाद और मीडिया लेखन के माध्यम से रचनात्मक सोच और लेखन कौशल को विकसित करना।

c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement)

1. साहित्यिक अनुवाद और मीडिया लेखन के माध्यम से लेखन और संपादन कौशल को विकसित करना।
2. कार्यालयीन हिंदी के उपयोग के माध्यम से पेशेवर संचार कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के अनुवाद और मीडिया लेखन के माध्यम से रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करना।

d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient)

1. साहित्यिक अनुवाद, मीडिया लेखन और कार्यालयीन हिंदी के उपयोग के माध्यम से पेशेवर संचार कौशल को विकसित करना।
2. हिंदी साहित्य के अनुवाद और मीडिया लेखन के माध्यम से रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करना।
3. साहित्यिक अनुवाद, मीडिया लेखन और कार्यालयीन हिंदी के उपयोग के माध्यम से पेशेवर संचार कौशल को विकसित करना और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए तैयार होना।

इकाई – 1

1. अनुवाद का अर्थ स्वरूपप्रकार एवं उपयोगिता।,
2. साहित्य एवं साहित्येतर अनुवाद के मध्य अंतर।
3. साहित्यिक अनुवाद परंपरा।
4. साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं चुनौतियां और समाधान,

इकाई – 2

1. मीडिया के विविध रूप सामान्य परिचय :
2. प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में हिन्दी की भूमिका
3. समाचार लेखन
4. फीचर लेखन
5. विज्ञापन लेखन
6. पटकथा लेखन
7. मीडिया लेखन

	इकाई – 3 1. कार्यालयी हिंदी: अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं प्रयोग 2. कार्यालयी पत्राचार के प्रकार, प्रारूप और प्रयोग 3. संक्षेपण/ सार लेखन के प्रकार और प्रयोग 4. टिप्पण लेखन की विशेषताएं 5. हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली: महत्व एवं प्रयोग
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ● अनुवाद का अर्थ स्वरूपप्रकार एवं उपयोगिता। , ● मीडिया के विविध रूप सामान्य परिचय :। ● कार्यालयी हिंदी: अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं प्रयोग
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading ：संदर्भ ग्रंथ 1. अनुवाद विज्ञानसिद्धांत और प्रयोग: संपादकडॉ नगेंद्र-, प्रकाशक हिंदी माध्यम कार्यन्वय - निदेशालय नई दिल्ली। 2. अनुवाद की प्रक्रियाप्रविधि एवं समस्याएं :, लेखक - डॉ बीशर्मा .डी., ओमेगा पब्लिकेशन, दिल्ली 3. प्रेमचंद प्रतिनिधि कहानिया 4. हिंदी की प्रतिनिधि कहानियां Additional reading ：संदर्भ ग्रंथ 1. हिंदी की प्रतिनिधि कविताएं 2. literary translation, Author-Cliford E. Landers, Publication- Cromwell press ltd. Great Britain. 3. प्रिंट मीडिया लेखन – डॉहरीश अरोड़ा . 4. मीडिया लेखन – सुमित मोहन 5. रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम 6. कार्यालय हिंदी की प्रकृति समता प्रकाशन। ,चंद्रपाल शर्मा - 7. प्रयोजनमूलक हिंदी वाणी प्रकाशन ,डॉ विनोद गोदरे - 8. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रक्रिया और स्वरूप तक्षशिला प्रकाशन। ,कैलाश चंद्र भाटिया -

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD
Programme : Skill Enhancement Course/ Multidisciplinary Courses for B.A (Hons./ Hons with Research) & M.A Other than Hindi Students

COURSE DESCRIPTION

Course title	कार्यालयी हिंदी **FUNCTIONAL HINDI**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	This Course is opt by only those students who have good Hindi & who have studied Hindi at least till 10th standard.
Course code	BASECH-300
Semester	(January to April-2025)
Number of credits	03
Maximum intake	(on first-come-first-served-basis)
Day/Time	Monday, Thursday 2.00 to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Malobika, Dr. Pankaj Singh Yadav (GF)
Course description	**i)** Promoting Functional Hindi in our Hindi department through an interdisciplinary course. We believe that emphasizing the practical use of Hindi in various fields will greatly benefit our students and contribute to their overall language proficiency. Functional Hindi is a vital aspect of language learning as it focuses on using Hindi in real-life situations, such as workplace communication, professional interactions, and everyday conversations. By incorporating functional Hindi into our curriculum, we can equip our students with the necessary skills to effectively communicate in Hindi across different domains. Furthermore, an interdisciplinary approach to this course will allow students to explore the connection between Hindi and other academic disciplines. It will enable them to understand how Hindi can be applied in areas such as literature, history, social sciences, and even technical fields. This integration will not only enhance their language skills but also promote a holistic understanding of Hindi within a broader context. Introducing this interdisciplinary course will not only attract more students to our Hindi department but also provide them with a well-rounded education. It will prepare them for future opportunities where bilingual or multilingual skills are highly valued. This will help students to clear the National Competitive Exams such as bank and others & get jobs. We can create an innovative and impactful program that promotes functional Hindi and enriches our students' language learning experience. **ii) उद्देश्य (Program Objectives)** ● कार्यालय हिंदी आज के परिदृश्य में हिंदी साहित्य की विविध विधाओं के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्य व्यवहार हेतु उपादेय है। ● कार्यालय पत्राचार, वाणिज्य पत्राचार आदि से परिचित कराना। ● भविष्य में सरकारी/ गैर सरकारी कार्यालयों में हिंदी माध्यम से कार्य करने की निपुणता पूर्व से ही प्राप्त होगी। ● कार्यलयी हिंदी का मूल लक्ष्य सरल और व्यावहारिक संचार को सुविधाजनक बनाना है। ● कार्यालयी हिंदी के उद्देश्य को समझने केलिए राजभाषा हिंदी तथा उसको जानना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) (PSO of the Programme)

- सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में हिंदी का व्यवहार किया जाना संविधान के दिशा निर्देशों के अनुरूप है।
- कार्यलयी हिंदी की अपनी शब्दावली होती है जिसका प्रयोग कार्यलय के कर्मचारी और प्रशासक नित्य प्रतिदिन अपने सरकारी कामकाज में प्रयोग कर पायेगें।
- सरकारी कामकाज में प्रयुक्त होनेवाली भाषा को प्रशासनिक या कार्यलयी हिंदी बनाने में मजबूती मिलेगी।

iii) Learning outcomes :

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)

1. कार्यालयी हिंदी की मूल बातें और इसके महत्व को समझना।
2. हिंदी भाषा का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में करने की क्षमता विकसित करना।
3. व्यावसायिक संचार में हिंदी का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करना।

b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

1. हिंदी भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी का उपयोग करने के माध्यम से पेशेवर कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी भाषा के माध्यम से रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करना।

c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement)

1. व्यावसायिक संचार में हिंदी का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करना।
2. हिंदी भाषा के माध्यम से लेखन और संपादन कौशल को विकसित करना।
3. विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी का उपयोग करने के माध्यम से पेशेवर कौशल को विकसित करना।

c) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient)

1. व्यावसायिक संचार में हिंदी का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करना।
2. हिंदी भाषा के माध्यम से पेशेवर कौशल को विकसित करना।
3. विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी का उपयोग करने के माध्यम से रोजगार के अवसरों को बढ़ाना।

इकाई-1

- कार्यालयी हिन्दी अभिप्राय तथा उद्देश्य कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र, सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी सम्बन्ध तथा अन्तर, कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ।

इकाई-2

- पत्र की अवधारणा, स्वरूप और महत्त्व। पत्राचार के प्रकार सामान्य परिचय। कार्यालय से : निर्गत पत्र ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आदेश, पृष्ठांकन, सूचनाएँ, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति, पावती पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रतिवेदन आवेदन सम्बन्धी पत्र लेखन। -

इकाई-3

- व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पत्राचार व्यावसायिक पत्र की विशेषताएँ। व्यावसायिक एवं कार्यालयी पत्रों में अंतर। पूछताछ सम्बन्धी पत्र, संदर्भ पत्र, शिकायती पत्र, माल के आदेश संबंधी पत्र, तकादा तथा भुगतान संबंधी पत्र निविदा सूचनाएँ, कोटेशन, इनवाइस बिल। बैंकिग और बीमा में हिन्दी।

इकाई-4

- टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषाशैली-, संक्षेपण अर्थ एवं विशेषताएँ :, संक्षेपण विधि,

	संक्षेपण की उपयोगिता तथा भाषाशैली विस्तारण स्वरूप, अर्थ तथा परिभाषा, विस्तारण के तत्त्व और प्रक्रिया, विस्तारण का महत्त्व एवं उपयोगिता।
Course delivery	Lecture/Seminar
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation . End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading :** ● शर्मा, चन्द्रपाल, कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली 1991 ● गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2009 ● झाल्टे दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग :, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 पंचम संस्करण ● भाटिया कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2005 **Additional reading :** ● Reading material/ notes provided by teacher

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD
Programme : Skill Enhancement Course/ Multidisciplinary Courses for B.A (Hons./ Hons with Research) & M.A Other than Hindi Students

COURSE DESCRIPTION

Course title	हिंदी साहित्य **BA HINDI LITERATURE**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	This Course is opt by only those students who have good Hindi & who have studied Hindi at least till 10th standard.
Course code	PAPER : BASECH-400
Semester	(January to April -2025)
Number of credits	03
Maximum intake	(on first-come-first-served-basis)
Day/Time	Tuesday and Thursday 3.00 to 5.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav (PSY)
Course description	**i)** In this paper there will be three sections A, B and C (History of Hindi Literature, Poetry and Prose with relevant texts). Through this paper, students will be introduced to the historical perspective and the ancient as well as the modern aspect of the poetry and prose in Hindi Literature. Students will be able to know the development and continuity sequence in various genres of prose after Indian renaissance. **Section - A - History of Hindi Literature**: Through this section of the course, students will be able to get acquainted with the period distribution, their duration, nomenclature and tendencies in the history of Hindi literature. They will be able to develop the ability to evaluate specialty and poetic art in the history. **Section – B - Poetic Section:** Through the poems given in the syllabus, students will be able to develop human sensibility and explain the era and surroundings of composition and creator. Through this section, the craft and content of poetry, the poetic beauty of poetry Information will also be provided regarding the purpose of the composition. **Section - C- Prose section:** Through this section of the course, students will be able to get acquainted with the Indian Renaissance and the various forms of prose developed thereafter and its various forms. The chapters covered in the syllabus include stories, recitals, essays, memoirs etc. Through these works, the students will be able to understand the truth of their society closely and in a timely manner and will develop their ability to evaluate the subject. Through the study of the characters in the story, they will also get to know the senses of the human mind in a subtle way. **ii) उद्देश्य (Program Objectives)** 1. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास के बारे में जानकारी प्रदान करना। 2. छात्रों को हिंदी कविता और गद्य की विभिन्न विधाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना। 3. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रमुख युगों और आंदोलनों के बारे में जानकारी प्रदान करना। 4. छात्रों को हिंदी साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाने में मदद करना। 5. छात्रों को हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से मानवीय संवेदना और सोच को विकसित करने में मदद करना। **आउटकम (Program Outcomes)** 1. हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास को समझना। 2. हिंदी कविता और गद्य की विभिन्न विधाओं को समझना। 3. हिंदी साहित्य के प्रमुख युगों और आंदोलनों को समझना।

4. हिंदी साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाना।
5. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से मानवीय संवेदना और सोच को विकसित करना।

iii) Learning outcomes :

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)

1. हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास को समझना।
2. हिंदी कविता और गद्य की विभिन्न विधाओं को समझना।
3. हिंदी साहित्य के प्रमुख युगों और आंदोलनों को समझना।

b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

1. हिंदी साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाना।
2. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से मानवीय संवेदना और सोच को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज और संस्कृति को समझना।

c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement)

1. हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों और आंदोलनों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।
2. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से लेखन और संपादन कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के माध्यम से संचार और प्रस्तुति कौशल को विकसित करना।

d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient)

1. हिंदी साहित्य के ज्ञान को व्यावसायिक और शैक्षिक संदर्भों में लागू करने में सक्षम होना।
2. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से लेखन और संपादन कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के माध्यम से संचार और प्रस्तुति कौशल को विकसित करना और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए तैयार होना।

हिंदी साहित्य का इतिहास: सामान्य परिचय

HINDI SAHITYA KA ITIHAS - SAMANYA PARICHAY-

इकाई -1:

- काल विभाजन एवं नामकरण (Kal Vibhajan Evam Namakaran)
- कालगत विशेषताएँ परिवेश (Kalgat Visheshataye parivesh)

इकाई -2 : (HINDI PADYA SAHITYA)

युगीन काव्य बोध (Yugeen Kavya Bodh)

- कबीर पॉच दोहे : (Kabir : Panch Dohe)
- बिहारीपॉच दोहे : (Bihari : Panch Dohe)
- रहीमपॉच दोहे : (Rahim : Panch Dohe)माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा (Makhanlal Chaturvedi : Pushp ki Abhilasha)
- नागार्जुन : अकाल और उसके बाद (Nagarjun: Akal Aur Uske Bad)
- रघुवीर सहाय : आप की हॅसी (Raghuveer Sahay: Aap ki Hasi)

इकाई –3 : हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं का परिचय पाठ -

HINDI GADYA SAHITYA -

- बड़े भाई साहब (कहानी) Bade Bhai Sahab (Story)) : प्रेमचंद (Premchand)
- डिप्टी कलक्टरी (कहानी) Diptee Kalektar (Story) : अमरकांत (Amarkant)
- पर्यावरण और हम)निबंध(Paryanarn Aur Hum (Essay) : राजीव गर्ग (Rajiv Garg)
- मित्रता (निबंध) Mitrata (Essay) : रामचंद्र शुक्ल (Ramchandra Shukla)
- भोलाराम का जीव(व्यंग)(Bholaraam kaa Jeev(Satire)) - हरिशंकर परसाई (Harishankar Parsayee)

	• नया मेहमान (व्यंग्य) (Naye Mehamaan (Satire)) : उदय शंकर भट्ट (Udyashankar Bhatt)
Course delivery	Lecture/Seminar
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading :** 1. Hindi Sahitya Ka Saral Itihas - Vishwanath Tripathi 2. Hindi kahani ka Vikas - Madhuresh 3. Hindi Gadya Vinyas aur Vikas - Ramswroop Chaturvedi 4. Nibandh Sankalan -Dr. Ramkali Saraf 5. Pratinidhi Kahaniyan - Dr. Bachchan Singh **Additional reading :** • Reading material/ notes provided by teacher

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD
Programme : Multidisciplinary Courses for Post Graduate (other than Hindi students)

COURSE DESCRIPTION

Course title	एम.ए हिंदी साहित्य का परिचय **MA INTRODUCTION TO HINDI LITERATURE**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	This Course is opt by only those students who have good Hindi & who have studied Hindi at least till 10th standard.
Course code	PAPER : MAHECH - 540
Semester	II&IV(January to April -2025
Number of credits	04
Maximum intake	(on first-come-first-served-basis)
Day/Time	Wednesday and Friday 4.00 to 6.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav
Course description	**i)** In this paper there will be three sections A, B and C (History of Hindi Literature, Poetry and Prose with relevant texts). Through this paper, students will be introduced to the historical perspective and the ancient as well as the modern aspect of the poetry and prose in Hindi Literature. Students will be able to know the development and continuity sequence in various genres of prose after Indian renaissance. **Section - A - History of Hindi Literature**: Through this section of the course, students will be able to get acquainted with the period distribution, their duration, nomenclature and tendencies in the history of Hindi literature. They will be able to develop the ability to evaluate specialty and poetic art in the history. **Section – B - Poetic Section:** Through the poems given in the syllabus, students will be able to develop human sensibility and explain the era and surroundings of composition and creator. Through this section, the craft and content of poetry, the poetic beauty of poetry Information will also be provided regarding the purpose of the composition. **Section - C- Prose section:** Through this section of the course, students will be able to get acquainted with the Indian Renaissance and the various forms of prose developed thereafter and its various forms. The chapters covered in the syllabus include stories, recitals, essays, memoirs etc. Through these works, the students will be able to understand the truth of their society closely and in a timely manner and will develop their ability to evaluate the subject. Through the study of the characters in the story, they will also get to know the senses of the human mind in a subtle way. **i**) प्रोग्राम उद्देश्य (Program Objectives) 1. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास के बारे में जानकारी प्रदान करना। 2. छात्रों को हिंदी कविता और गद्य की विभिन्न विधाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना। 3. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रमुख युगों और आंदोलनों के बारे में जानकारी प्रदान करना। 4. छात्रों को हिंदी साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाने में मदद करना। 5. छात्रों को हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से मानवीय संवेदना और सोच को विकसित करने में मदद करना। **ii) प्रोग्राम आउटकम (Program Outcomes)** 1. हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास को समझना। 2. हिंदी कविता और गद्य की विभिन्न विधाओं को समझना। 3. हिंदी साहित्य के प्रमुख युगों और आंदोलनों को समझना। 4. हिंदी साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाना।

5. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से मानवीय संवेदना और सोच को विकसित करना।

iii) Learning outcomes :

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)

1. हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास को समझना।
2. हिंदी कविता और गद्य की विभिन्न विधाओं को समझना।
3. हिंदी साहित्य के प्रमुख युगों और आंदोलनों को समझना।

b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

1. हिंदी साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को बढ़ाना।
2. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से मानवीय संवेदना और सोच को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज और संस्कृति को समझना।

c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement)

1. हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों और आंदोलनों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।
2. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से लेखन और संपादन कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के माध्यम से संचार और प्रस्तुति कौशल को विकसित करना।

d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient)

1. हिंदी साहित्य के ज्ञान को व्यावसायिक और शैक्षिक संदर्भों में लागू करने में सक्षम होना।
2. हिंदी कविता और गद्य के माध्यम से लेखन और संपादन कौशल को विकसित करना।
3. हिंदी साहित्य के माध्यम से संचार और प्रस्तुति कौशल को विकसित करना और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए तैयार होना।

हिंदी साहित्य का इतिहास: सामान्य परिचय

HINDI SAHITYA KA ITIHAS - SAMANYA PARICHAY-

इकाई -1:

- काल विभाजन एवं नामकरण (Kal Vibhajan Evam Namakaran)
- कालगत विशेषताएँ परिवेश (Kalgat Visheshataye parivesh)

इकाई -2 : (ख हिंदी पद्य साहित्य (

- कबीर पॉच दोहे : (Kabir : Panch Dohe)
- बिहारीपॉच दोहे : (Bihari : Panch Dohe)
- रहीमपॉच दोहे : (Rahim : Panch Dohe)
- सुमित्रानंदन पंत (Sumitranandan Pant) : परिवर्तन (Perivarthan)
- दुष्यंत कुमार (Dushyant Kuma) सी-हो गई है पीर पर्वत : (Ho Gayi Hai Peer Parvat Si)
- कात्यायनी (katyayani): हॉकी खेलती हुई लड़कियां (Hoki Khelte hue Ladkiya)
- निर्मला पुतुल (Nirmala Putul) क्या तुम जानते हो :? (Kya Tum Jaante Ho ?)

इकाई –3 : हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं का परिचय पाठ -

HINDI GADYA SAHITYA -

- कफन (कहानी) (Kafhan (Story)) - प्रेमचंद (Premchand)
- हार की जीत (कहानी) (Har ki jeet) - सुदर्शन (Sudarshan)
- उत्साह (निबंध) (Utsaah (Essay)) - रामचंद्र शुक्ल (Ramchandra Shukla)
- मजदूरी और प्रेम ((Majdoori Aur Prem (Essay)) - सरदार पूर्ण सिंह(Sardar Purn Sign)

	• ज़िंदगी और जोंक (Jindage Aur Jonk (Story)) - अमरकांत (Amarkanth) • भोलाराम का जीव((व्यंग्य) (Bholaraam kaa Jeev(Satire)) - हरिशंकर परसाई (Harishankar Parsayee)
Course delivery	Lecture/Seminar
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading :** 1. Hindi Sahitya Ka Saral Itihas - Vishwanath Tripathi 2. Hindi kahani ka Vikas - Madhuresh 3. Hindi Gadya Vinyas aur Vikas - Ramswroop Chaturvedi 4. Nibandh Sankalan -Dr. Ramkali Saraf 5. Pratinidhi Kahaniyan - Dr. Bachchan Singh **Additional reading :** • Reading material/ notes provided by teacher